



₹ 5000  
4/15/2009

Photocopy  
of the  
Receipt



₹ 5000  
4/15/2009  
मिठ मा सुप्री

03BE 95786A

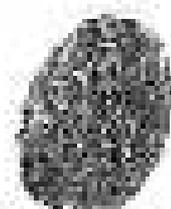
1 JUN 2009

मिठ मा सुप्री  
मिठ मा सुप्री  
मिठ मा सुप्री

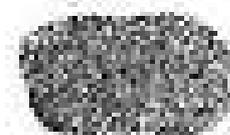
विक्रय अनुबन्ध पत्र मय कक्का

संविधान की शर्तद्वारा -	₹ 4,80,000 /-
अग्रिम वनशशि -	₹ 4,75,000 /-
बकाया वनशशि -	₹ 5,000 /-
नारिपदा -	₹ 2,50,280 /-
कुल विद्य मय कुलशश सीमा -	₹ 12,05,280 /-

1 मिति 15/06/09 - मिति



₹ 5000  
मिठ मा सुप्री



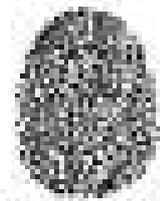
मिठ मा सुप्री





0388 657970  
 JUN 2007  
 Reserve Bank of India  
 Cash Department  
 New Delhi

- 2. परतना - बिजौर
- 3. ३५ - ५५
- 4. सम्पत्ति का विवरण- मुझे खरस खरस 510 रुक्या 0.078 व टासरा नख्या 579 रुक्या 0.202 व नी कि कुल रुक्या 0.278 हेवलेअर का 1/3 भाग अर्थात बिलीत रुक्या 0.0927 ३० रुक्या रास- बरौन, मरु - निजगौर, जहूरीय व पिता लालन
- 5. मापन जी ईकाई - इलेअर
- 6. सम्पत्ति का संख्या - 0.0927 हेवलेअर



३५० का समजावित



३५० का समजावित



भारतीय नैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये  
रु. 1000



ONE THOUSAND RUPEES  
Rs. 1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

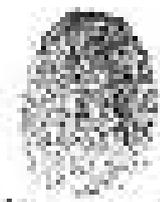
559322

1  
2  
3  
4  
5  
6  
7  
8  
9  
10  
11  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18  
19  
20

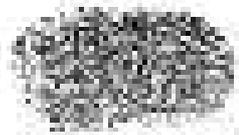
7. एकक की स्थिति -  
8. सम्पत्ति का प्रकार -  
9. पक्षों की स्थिति -  
10. मोहर / मुहर का स्थिति -

3.  
दस्तावेज़ की संख्या 2000 नं. 10/2000  
की संख्या  
रु. 1000  
ज्यादा नहीं है।  
कुछ भी नहीं है।

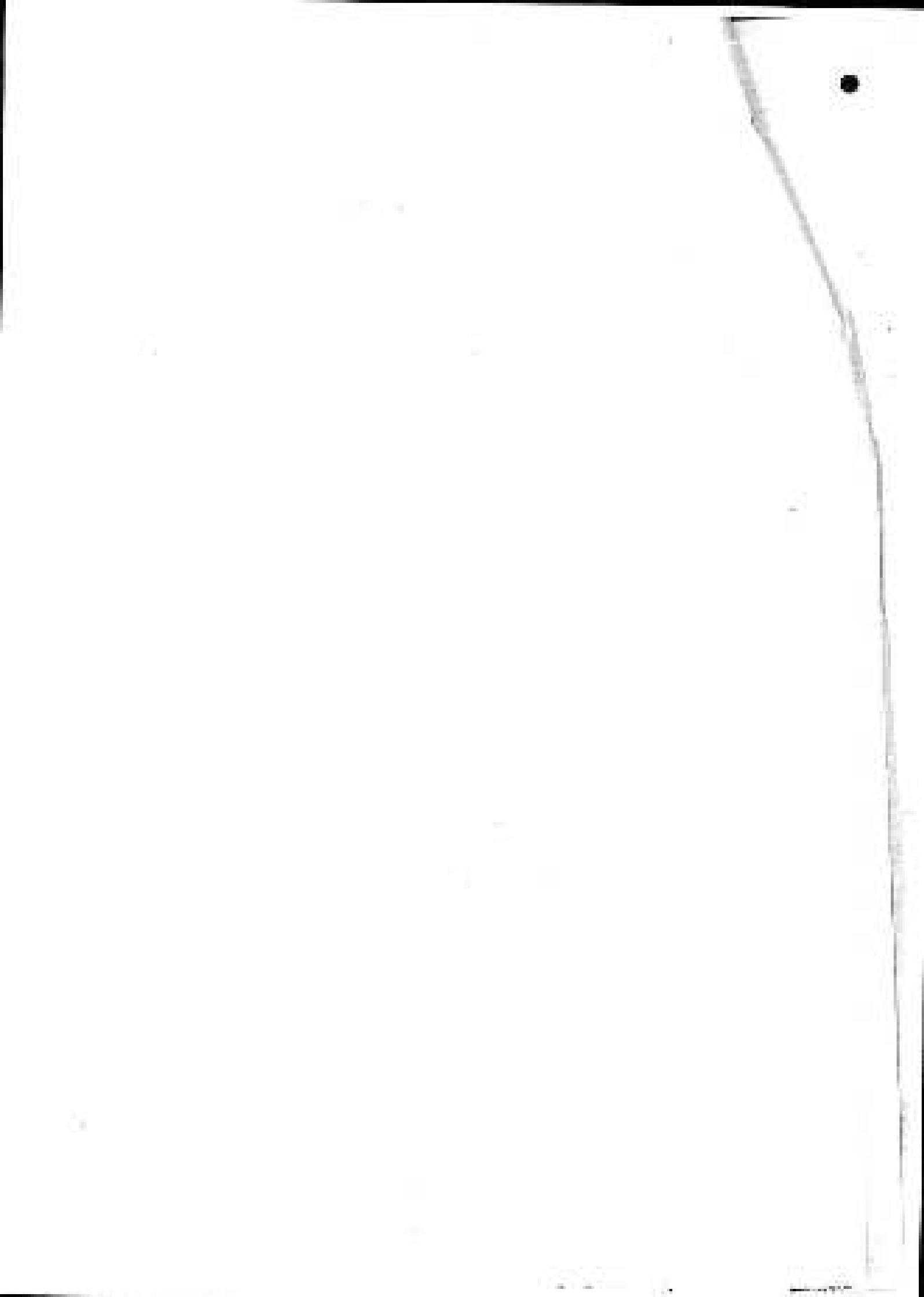
सोहदवी खसरा नं. 610



मुख्य न्यायाधीश



मुख्य न्यायाधीश



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

रु.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

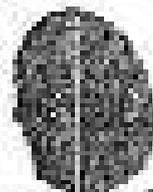
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

१ ६५६२६

उत्तर	:	रकम नं ३११ ३१२
दक्षिण	:	रकम नं ३१३
पूर्व	:	रकम नं ३१३, ३१४, ३१५
पश्चिम	:	रकम नं ३१३, ३१४, ३१५

बीडपी रकम नं ३१४

उत्तर	:	रकम नं ३६१ ३६२
दक्षिण	:	रकम नं ३६४ ३६५ ३६६
पूर्व	:	रकम नं ३६२ ३६३ ३६४
पश्चिम	:	रकम नं ३६६ ३६७ व अन्य



१५/०५/२०२०

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

रु.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

4 659524

प्रथम पक्ष की संख्या -

द्वितीय पक्ष की संख्या -

प्रथम पक्ष का पता -

द्वितीय पक्ष का पता -

रामलखन पुत्र श्री रामपाल :

शुन्नी पुत्र राजाराम निवासी

निवासी - चौधरी क्षेत्र, सीता

ग्राम - मुं निरी किलोली

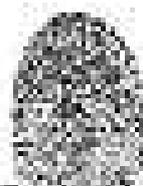
परगना मिर्जापुर जिला -

जिला - मिर्जापुर

सिता -

संख्या -

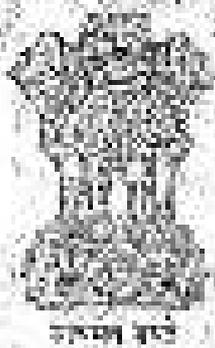
संख्या -



भारतीय गैर न्यायिक  
भारत INDIA

रु. 500

FIVE HUNDRED  
RUPEES



पाँच सौ रुपये

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 83864T



यह चिठ्ठा अनुसूक्त एफ राजस्व पुस्तक की समान  
निर्वाहण-सौधरीवेडा, अतीत परवत जिनगीर तहसील व  
जिला इलाहाबाद जहाँ का प्रथम पक्ष कहा गया है जिसके  
अन्तर्गत प्रथम पक्ष का जिल्ला इलाहाबाद, वास्तुतः एवं  
विशालकनम सम्मिलित है।

एवम्



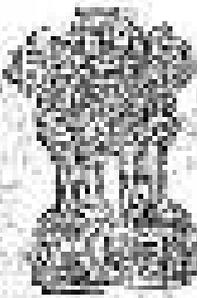
दि ०३ अक्टूबर १९६५

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100



ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

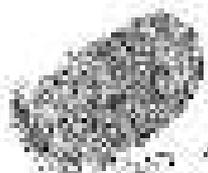
भारत INDIA  
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AG. 906527

श्री श्री मुन राजाराम तिवारी ठाम- पूरुं निडी, झिडोली, जिला  
समवेरी। जिन्हें 1971 दितीय पक्ष कक्षा मन्दा हे अंतर्गत  
अन्तर्गत दितीय पक्ष के दिविस उल्लाखिदारी, धारिमान ए  
निष्पदधन्य समिति हे के मध्य निष्पाडित किया गया।

जा के प्रथम पक्ष मुने धारता रुक्या 510 रुक्या 0000 के  
धारता रुक्या 5050 रुक्या 0002 यानी कि कुल रुक्या 0005  
रुक्या 0003 रुक्या अन्तर्गत विदित रुक्या 00000 रुक्या रुक्या  
रुक्या- यदोन, कल्याण- विदित, जयसिंह, 4 जिला सदाके रुक्या



सत्यमेव जयते

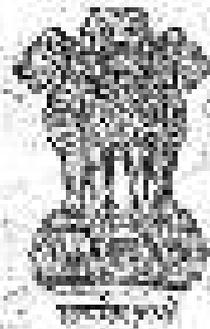
सत्यमेव जयते

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100



ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA  
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

11 98528

मालिक, कर्मिन्दा वा कर्तव्य हे लष्णु उपरोक्त सल्याभित्त अन्वयिना  
खाता खतीनी सल्या 10528 के अनुकरत मुनि अयन पत्र नो नाम  
सकस्य अन्वयिना नो बतौर अन्वयिनीय मुनिवर बरती हे। एतन् पर  
अपना अप्पुन किन्ता हिती। एत को इल विकय अनुकरत या इल

11 98528





यह कि इस विषय अनुभव पर के गूरे का आनर काई बरकरार  
रिखी तरह का भार इस सन्तति पर होमा ली बरकरार प्रथम पर  
मुगलान न लान करेगे, अथन एम की काई अन्तिम न होगी

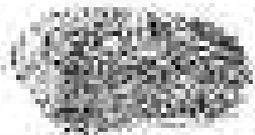
यह कि उपरोक्त साकरा नंबर का कमीन इशान्तरीय होम  
के सामान्य खान से अन्तगत आला है इतिहास विभासित करविकार  
रु० न० ३७,००,०००/- एति हेमदेकर के तिलाक से विक्रीत भूमि  
०००००/- से कासिगत रु० २,००,२००/- होती है बुकि विगत  
मूल्य भूमि की आवाक मूल्य से अधिक के इच्छासि विद्यमानुस  
विक्रय मूल्य पर ही रु० ३३,७००/- लानकर इतना इका किया जा  
रहा है। अथन एम एत हितीय पर बीती अनुसुमिग जाति के  
बदल्ये है। इस विगत अनुसुम गम के निषकन का इमस्त अथ  
हितीय पर एत लान किया गया है

इतिहास यह विक्रय अनुसुम का प्रथम का ने हितीय पर के  
पर ने चिन टिकी जाए न इमान के अन्वय विगत पर ही अन्त  
गादहाल लिख दिख ताकि कसद रहे और एत अन्तरीय बरकरार का  
काम सारे।

परिशिष्टः मुगलान विवरण

- 1. अथन का का रु० ४५०,०००/- द्वारा चिक संख्या-२००००३  
केनाकिया १०१०२०१- मंत्रय संगमल बेदा, इकरसतरीय  
जखानक हितीय पर के परत हुर।

  
सिंह का १९००

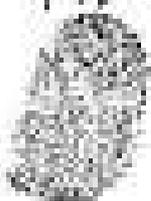
  
१९००

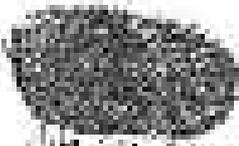
2. ₹१० लाख को एक 25,000/- गजब डिग्रीय गज से प्राप्त हु

इस प्रकार जयपुर गज को कुल अंशम संख्याएँ एक 4,75,000/- (चौ घात लाख सवाहत्तर हजार गज) इतना गज से प्राप्त हुए विद्यापी जालि एथन एक खोजकर करता है।

लखनऊ  
दिनांक = 24/09/2011

- गवाह :
1.   
गोपाल चंद्रा  
जयपुर विद्यापी
  2.   
गोपाल चंद्रा  
जयपुर विद्यापी

दिनांक 24/09/2011  
  
पथक पद

  
दिनांक 24/09/2011  
पथक पद

जयपुर विद्यापी  
जयपुर विद्यापी  
जयपुर विद्यापी  
जयपुर विद्यापी

प्राप्तकर्ता  
  
जयपुर विद्यापी  
जयपुर विद्यापी

प्राप्तकर्ता  
  
जयपुर विद्यापी  
जयपुर विद्यापी



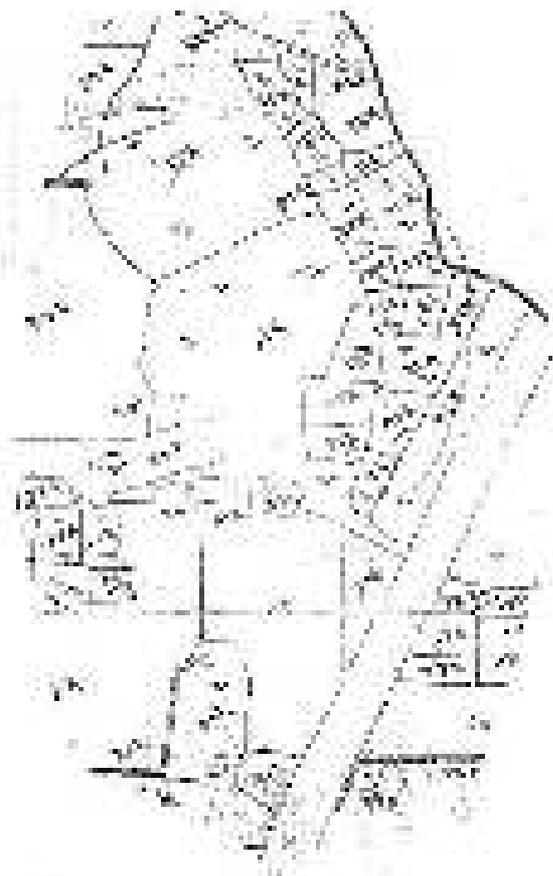
पुस्तक संख्या १११

दि. १५/१२

पुस्तक संख्या

३१०

दि. १५/१२



पुस्तक संख्या

३१०



पुस्तक संख्या

३१०

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----

Room

Registration No. 1373

251

1963

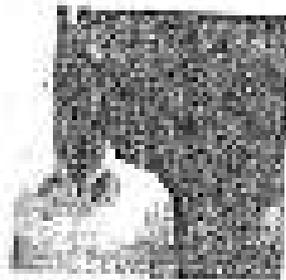
1107

1107

1107

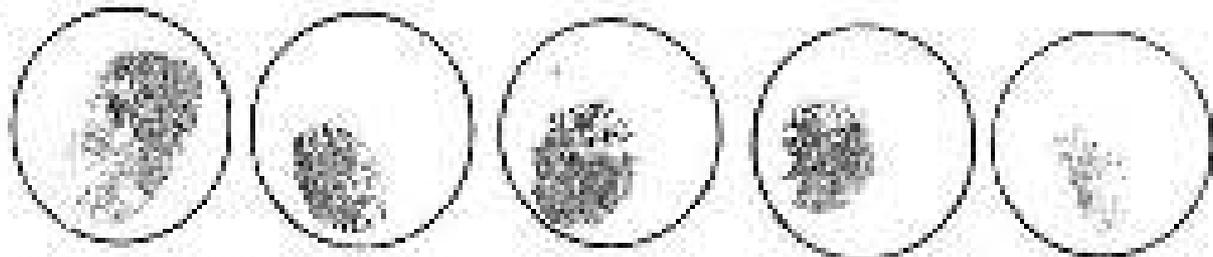
1107

1107

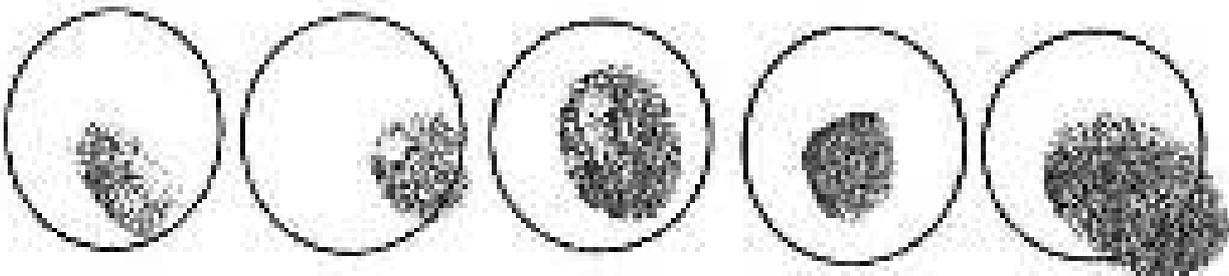


अवस्था 180E की छाया-3250 के अनुपातन हेतु, फिगरस प्रिन्ट्स

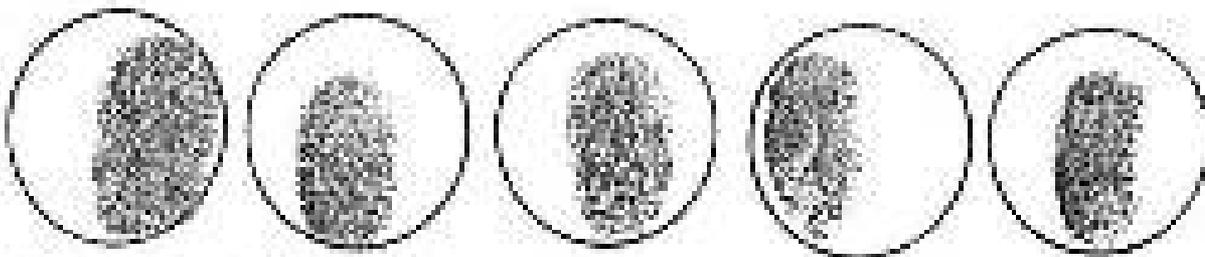
प्रथम पक्ष का नाम व पता: एम.एन. दूर की राजधानी विधायी नाम पुस्तक-10  
 मजलीस शहरीय व जिला अखिलक  
 एम.एन. दूर की अमुकियों के निम्न:-



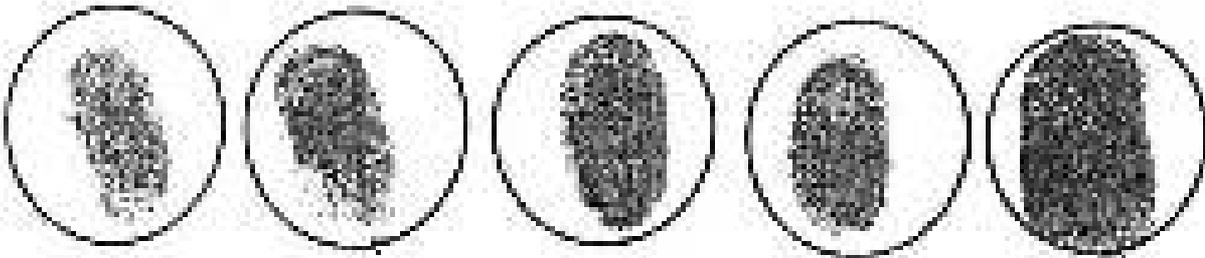
द्वितीय पक्ष का नाम व पता: एम.एन. दूर की राजधानी विधायी नाम पुस्तक-10  
 मजलीस शहरीय व जिला अखिलक  
 एम.एन. दूर की अमुकियों के निम्न:-



तृतीय पक्ष का नाम व पता: एम.एन. दूर की राजधानी विधायी नाम पुस्तक-10  
 मजलीस शहरीय व जिला अखिलक  
 एम.एन. दूर की अमुकियों के निम्न:-



चतुर्थ पक्ष का नाम व पता: एम.एन. दूर की राजधानी विधायी नाम पुस्तक-10  
 मजलीस शहरीय व जिला अखिलक  
 एम.एन. दूर की अमुकियों के निम्न:-



पंचम पक्ष का नाम व पता: एम.एन. दूर की राजधानी विधायी नाम पुस्तक-10  
 मजलीस शहरीय व जिला अखिलक  
 एम.एन. दूर की अमुकियों के निम्न:-

पत्र संख्या

19/29/2011

के

दिनांक

1

दिसंबर

13200

पृष्ठ संख्या

112

के

148

पृष्ठ संख्या

13331

विशेष विज्ञापन

विशेष विज्ञापन

श्री. श्री. श्री.

श्री. श्री. श्री.

श्री. श्री. श्री.

श्री. श्री. श्री.